श्रावण मास, कृष्ण पक्ष 1 वर्ष, अंक 37, पृष्ठ 4, मूल्य 1.00

अखण्ड भारत सन्देश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज शनिवार, 12 सितम्बर, 2020

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान की एक अनुपम भेंट

शारदीय नवरात्र से पहले गड्ढामुक्त हों उत्तर प्रदेश की सड़कें : मुख्यमंत्री

लखनऊ, जेएनएन। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कोरोना संक्रमण की चुनौती का सामना करते हुए विकास परियोजनाओं को गति देने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा है कि बरसात का मौसम लगभग समाप्त हो चुका है। कार्ययोजना बनाकर सड़कों को गड्ढामुक्त बनाने का अभियान युद्धस्तर पर प्रारंभ कर दिया जाए। उन्होंने शारदीय नवरात्र से पहले प्रदेश की सड़कों को गड्ढामुक्त बनाने का लक्ष्य अधिकारियों को दिया है। शुक्रवार को अपने सरकारी आवास पर वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये मुरादाबाद मंडल के जिलों में विकास कार्यों की समीक्षा के दौरान उन्होंने यह निर्देश दिया।

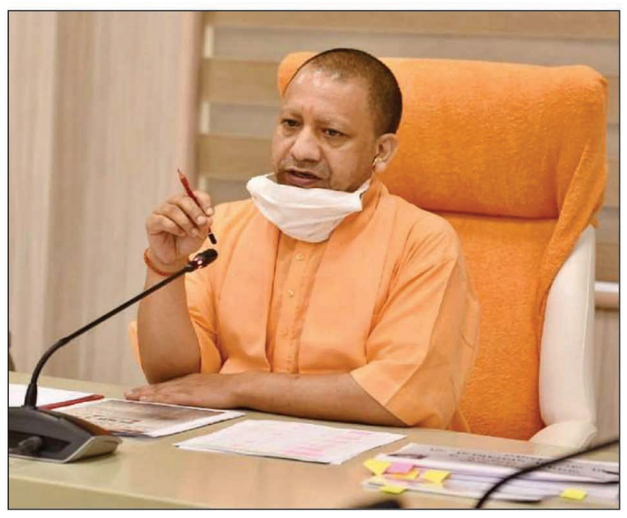

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रामपुर के डूंगरपुर गांव में बनाये जा रहे राष्ट्रीय प्रशिक्षण संस्थान को गन्ना किसानों के प्रशिक्षण केंद्र के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए। संभल में तत्काल मुख्य चिकित्सा अधीक्षक और डिप्टी सीएमओ की तैनाती का आदेश दिया। बिजनौर में पीएसी की नई बटालियन की स्थापना में भी तेजी लाने के लिए कहा। उन्होंने मुरादाबाद के भोजपुर में निमार्णाधीन राजकीय महाविद्यालय और ठाकुरद्वारा में राजकीय पॉलिटेक्निक तथा अमरोहा में राजकीय महिला आइटीआइ, सहसपुर, अलीनगर जोया के निर्माण कार्यों को शीघ्र पूरा करने का निर्देश दिया।

तेजी से पूरा करें मुरादाबाद स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट : विकास परियोजनाओं को समयबद्ध ढंग से पूरा करने के लिए उनकी लगातार निगरानी करने पर जोर देते हुए उन्होंने हर प्रोजेक्ट में इस काम के लिए एक नोडल अधिकारी नियुक्त करने का निर्देश दिया। मुरादाबाद स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के सभी कार्यों को तेजी के साथ पूरा करने का निर्देश दिया। मंडल के सभी जिलों में अमृत योजना के कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने के लिए कहा।

आप्टिकल फाइबर से जुड़ेंगे ग्राम सचिवालय : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुरादाबाद मंडल में पंचायत भवनों के लिए साइट चिन्हित किए जाने के निर्देश देते हुए कहा कि इस संबंध में जनप्रतिनिधियों से संवाद बनाकर कार्यवाही की जाए। उन्होंने कहा कि ग्राम सचिवालयों को ऑप्टिकल फाइबर से जोड़ने की कार्यवाही भविष्य में की जाएगी। कमजोर वर्गों को आवास मुहैया कराने की योजनाओं का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यह सुनिश्चित करने के लिए कहा कि इनका लाभ केवल पात्र लोगों को मिले। अपात्रों को आवास आवंटन की शिकायत मिली तो संबंधित के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुरादाबाद मंडल में खनन कार्य को सुचारु रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्थानीय अधिकारी अवैध खनन पर सख्ती से रोक लगाते हुए वैध खनन कार्यों की मंजूरी प्रदान करें। राजस्व संग्रह की पाक्षिक समीक्षा करने और जीएसटी रिटर्न की संख्या बढ़ाने के लिए कहा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नदियों पर अतिक्रमण के मामलों में सख्ती से निपटने के आदेश दिए। अधिकारियों और एक जिला एक उत्पाद योजना का जिक्र करते हुए क्षेत्रीय उत्पादों की विशिष्टताओं को उभार देकर रोजगार सृजन के अवसर तलाशने को कहा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रभारी मंत्रियों को जिलों की मासिक समीक्षा करने का निर्देश दिया। इन बैठकों के नतीजों से मुख्यमंत्री कार्यालय को भी अवगत कराने के लिए कहा। समीक्षा बैठक में न्याय मंत्री ब्रजेश पाठक और जलशक्ति मंत्री महेंद्र सिंह भी मौजूद थे।मंडलीय समीक्षा बैठक में वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये शिरकत कर रहे जनप्रतिनिधियों ने कोरोना महामारी की विषम परिस्थितियों से निपटने के लिए मुख्यमंत्री की कार्यशैली की सराहना की। डार्क जोन में नलकूप कनेक्शन देने की नीति की भी सराहना की गई। अमरोहा के हसनपुर क्षेत्र के विधायक महेंद्र सिंह खड़गवंशी ने क्षेत्र में नवीन चीनी मिल की जरूरत बतायी। बिजनौर के चांदपुर क्षेत्र विधायक कमलेश सैनी ने क्षेत्र में एक स्टेडियम निर्माण की आवश्यकता जताई।

एक दिन में 80 हजार से अधिक रोगियों ने दी कोरोना को मात अब तक 36 लाख से ज्यादा लोग बीमारी से उबरे

नई दिल्ली, जेएनएन। कोरोना संक्रमण का प्रकोप कम नहीं हो रहा है। पिछले तीन दिनों से लगातार 95 हजार से अधिक नए मामले सामने आ रहे हैं और संक्रमितों का आंकड़ा 46 लाख को पार कर गया है। लेकिन अच्छी बात यह भी है कि रोजाना बड़ी संख्या में मरीज ठीक भी हो रहे हैं और अब तक 36 लाख से अधिक मरीजों ने कोरोना को मात दे दी है। महामारी की वजह से मरने वालों की संख्या भी 77 हजार को पार कर गई है। समाचार एजेंसियों की तरफ से रात नौ बजे तक मिले आंकड़ों के मुताबिक गुरुवार की देर रात से अब तक 97,908 नए मामले मिले हैं और संक्रमितों का आंकड़ा 46 लाख 46 हजार से अधिक हो गया है। इस दौरान 80,606 मरीज ठीक भी हुए हैं और कोरोना को मात देने वाले रोगियों की संख्या बढ़कर 36 लाख 10 हजार से ज्यादा हो गई है। कोरोना संक्रमण के चलते अब तक 77,373 लोगों की जान जा चुकी है। शुक्रवार को 1,166 लोगों की मौत हुई, जिसमें सबसे अधिक महाराष्ट्र में 393, कर्नाटक में 130, आंध्र प्रदेश में 77 और गुजरात में 16 मौतें शामिल हैं।

महाराष्ट्र में रिकॉर्ड 24,886 नए मामले सामने आए हैं और संक्रमितों की संख्या 10 लाख को पार कर गई है। अब तक 28,724 लोगों की मौत भी हो चुकी है। हालांकि, इस दौरान 14 हजार से अधिक मरीजों को अस्पताल से छुट्टी भी मिली और ठीक होने वाले लोगों का आंकड़ा सात लाख को पार कर गया है। राज्य में अब तक 50.72 लाख कोरोना टेस्ट हुए हैं। महाराष्ट्र के पड़ोसी राज्य गुजरात में 1,344 नए मामले मिले हैं और कुल संक्रमित एक लाख 10 हजार से अधिक हो गए हैं।

आंध्र प्रदेश में लगभग दो हफ्ते बाद एक दिन में 10 हजार से कम नए मामले सामने आए हैं और राज्य को कुछ राहत मिली है। राज्य में 9,999 नए केस मिले हैं और 11 हजार से अधिक मरीज ठीक हुए हैं। कुल संक्रमितों का आंकड़ा 5.47 लाख से अधिक हो गया है। इनमें से 4.46 लाख मरीज ठीक हो चुके हैं। 4,779 लोगों की अब तक जान गई है। केरल में 2,988 नए मामले आए हैं और संक्रमितों का आंकड़ा एक लाख को पार कर गया है। इसके साथ ही एक लाख से अधिक संक्रमितों वाला केरल देश का 13वां राज्य बन गया है।

स्वदेशी टीके के दूसरे चरण के ट्रायल में पहली डोज देने का काम पूरा

नई दिल्ली (रणविजय सिंह)। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आइसीएमआर) के सहयोग से भारत बायोटेक इंटरनेशनल लिमिटेड द्वारा विकसित कोरोना के स्वदेशी कोवैक्सिन टीके के दूसरे चरण के ट्रायल में देश भर के 12 चिकित्सा संस्थानों में करीब 750 लोगों को पहली डोज देने का काम पूरा हो गया है। दूसरे चरण में एम्स में 50 लोगों को टीके की पहली डोज दी गई है। अभी तक किसी मरीज में कोई दुष्प्रभाव की बात सामने नहीं आई है। ट्रायल से जुड़े डॉक्टर कहते हैं कि यदि सब कुछ सही रहा तो इस साल के अंत में या फिर अगले साल की शुरूआत में कोरोना का टीका उपलब्ध हो सकता है।

बता दें कि इस टीके का पहले व दूसरे चरण का ट्रायल एक साथ शुरू हुआ था। 12 चिकित्सा संस्थानों में 18 से 55 साल की उम्र के 1125 लोगों को टीका लगाया जाना था। पहले चरण में 375 लोगों को दो डोज टीके लगाए गए थे। उन सभी लोगों को पहला टीका लगाने के 14 दिन के अंतराल पर टीके की दूसरी डोज दी गई थी। तब एम्स में 16 लोगों को दो डोज टीका लगाया गया था। उनमें से किसी में अब तक दुष्प्रभाव नहीं देखा गया है। पहले चरण का ट्रायल पूरा होने के बाद सोमवार को दूसरे चरण के ट्रायल के लिए मंजूरी मिली थी। एम्स में इस टीके के ट्रायल के प्रमुख शोधकर्ता डॉ संजय राय ने बताया कि दूसरे चरण में पहला डोज लगाने का काम पूरा हो गया है। 14 दिन के अंतराल पर दूसरी डोज दी जाएगी। दूसरे चरण का ट्रायल सफल होने के बाद टीका आने का रास्ता काफी हद तक साफ हो जाएगा। इससे लाखों लोगों को काफी मदद मिलेगी। बता दें कि दिल्ली समेत पूरे देश में कोरोना के मामले लगातार तेजी से बढ़ रहे हैं। ऐसे में लोगों टीके से काफी उम्मीदें हैं।

सीडीएस जनरल बिपिन रावत ने कहा- देश की सेनाएं हर चुनौती के लिए तैयार

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली। चीन के साथ बातचीत का दौर जारी रहने के बावजूद सीमा पर सैन्य तनातनी की गंभीरता को देखते हुए चीफ ऑफ डिफेंस स्टॉफ जनरल बिपिन रावत ने संसदीय समिति को भरोसा दिलाया कि देश की सेनाएं किसी भी सुरक्षा चुनौती का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। एलएसी पर चीनी सेना के यथास्थिति बदलने की किसी भी एकतरफा कार्रवाई को रोकने और उसका जवाब देने के लिए मोर्चे पर भारतीय सैनिक पूरी तरह चौकस और सतर्क हैं। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और एनसीपी प्रमुख शरद पवार जैसे विपक्षी दिग्गजों ने रक्षा मंत्रालय से जुड़ी संसदीय समिति की बैठक में पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर अतिक्रमण की चीनी हरकतों को लेकर जनरल रावत से सवाल पूछे।

चीन के साथ एलएसी पर बीते चार महीने से बने गंभीर हालात को देखते हुए संसदीय समिति की यह बैठक महत्वपूर्ण इसलिए भी थी कि राहुल गांधी और पवार सरीखे विपक्षी नेताओं ने मौजूदा चुनौती के मद्देनजर भारत की सैन्य तैयारियों को लेकर सीडीएस रावत से सवाल किए।बताया जाता है कि जनरल रावत ने संसदीय समिति के समक्ष पेश होते हुए बताया कि चीनी सैनिकों के भड़काने वाले कदम के चलते एलएसी पर तनाव की स्थिति है। मगर भारतीय सैनिक भी अग्रिम मोर्चो पर पूरे साजो-समान के साथ चीनी सैनिकों को उनकी सैन्य तैयारियों के हिसाब से जवाब देने के लिए डटे हुए हैं। उन्होंने कहा कि एलएसी पर यथास्थिति बदलने के किसी दुस्साहस का जवाब देने के लिए भारतीय सैनिक हाई अलर्ट पर हैं। 17वीं लोकसभा में रक्षा संबंधी संसदीय समिति की बैठक में राहुल गांधी संभवतः पहली बार शामिल हुए। भाजपा नेता जोएल उरांव की अध्यक्षता वाली इस समिति की शुक्रवार को हुई बैठक का एजेंडा सैन्य बलों विशेषकर सीमावर्ती इलाकों में तैनात सैनिकों के राशन सामान और वर्दी की गुणवता की समीक्षा थी। हालांकि राहुल और पवार समेत कुछ सदस्यों ने पूर्वी लद्दाख में एलएसी के हालात को लेकर जनरल रावत से जानकारी मांगी। पवार ने पूर्वी लद्दाख में चीनी चुनौती से पैदा हुए हालात पर संसदीय समिति को प्रेजेंटेशन दिए जाने का मुद्दा उठाया जिसका रक्षा मंत्रालय के अधिकारियों ने संज्ञान लेने की बात कही।

ऑक्सीजन की आपूर्ति रोके जाने पर केंद्र सरकार सख्त

नई दिल्ली, जेएनएन। कुछ राज्यों की ओर से ऑक्सीजन की सप्लाई रोके जाने को केंद्र सरकार ने गंभीरता से लिया है। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने सभी राज्यों को पत्र लिखकर ऑक्सीजन की सुचारु आपूर्ति बनाए रखने के लिए समुचित कदम उठाने का निर्देश जारी किया है। राजेश भूषण के अनुसार, कोरोना के इलाज में ऑक्सीजन काफी अहम है और इसे रोका नहीं जा सकता है। स्वास्थ्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि कुछ राज्यों द्वारा विभिन्न नियमों का हवाला देकर राज्य के बाहर ऑक्सीजन की सप्लाई रोके जाने की जानकारी मिली है। ये राज्य अपने यहां ऑक्सीजन उत्पादन और वितरण करने वाली इकाइयों को निर्देश दे रहे हैं कि वह केवल राज्य के अस्पतालों में ही इसकी आपूर्ति करें। निश्चित रूप से कुछ राज्यों का यह बर्ताव कोरोना के खिलाफ देश की लड़ाई में बाधा बन रहा है।

राजेश भूषण ने राज्यों को याद दिलाया कि ऑक्सीजन एक जरूरी स्वास्थ्य उत्पाद है और उसकी सप्लाई पर किसी प्रकार का प्रतिबंध नहीं लगाया जा सकता है। ऑक्सीजन उत्पादन का प्लांट भले ही किसी भी राज्य हो उसकी आपूर्ति जरूरत के मुताबिक देश के किसी भी राज्य में सुनिश्चित किया जाना चाहिए। यही नहीं कुछ ऑक्सीजन उत्पादक इकाइयों ने पहले से ही कई अस्पतालों में ऑक्सीजन आपूर्ति का अनुबंध कर रखा है।

इससे वहां भर्ती कोरोना के मरीजों का इलाज हो रहा है। यदि इस पर किसी तरह का प्रतिबंध लगाया जाता है तो कोरोना के मरीजों का इलाज प्रभावित होगा। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, देश में कोरोना के कुल सक्रिय मरीजों में 3.7 फीसद ऑक्सीजन सपोर्ट पर हैं ऐसे में ऑक्सीजन की निर्बाध आपूर्ति बेहद जरूरी हो जाती है। बता दें कि बीते दिनों ऐसी खबरें थी कि महाराष्ट्र सरकार ने मध्य प्रदेश में अपने यहां से ऑक्सीजन की आपूर्ति पर रोक लगा थी। इस निर्णय के बाद मध्य प्रदेश के लिए मुश्किलें बढ़नी तय मानी जा रही थी क्योंकि मध्य प्रदेश में महाराष्ट्र के प्लांटों से रोजाना करीब 130 टन ऑक्सीजन सप्लाई होती है। इसको लेकर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने महाराष्ट्र के सीएम उद्धव ठाकरे से बातचीत भी की थी। हालांकि बाद में शिवराज ने कहा था कि प्रदेश में ऑक्सीजन की कमी नहीं है।

भारतीय रेलवे ने 400% बढ़ाया प्लेटफार्म टिकट का दाम

बेंगलुरु, आइएएनएस। दक्षिण पश्चिम रेलवे ने गुरुवार को प्लेटफार्म टिकटों की कीमत में 400 फीसद की वृद्धि करने की घोषणा की। दक्षिण पश्चिम रेलवे का कहना है कि इस कदम से कोरोना काल में रेलवे प्लेटफार्मो पर भीड़ बढ़ने से रोका जा सकेगा। चुने हुए रेलवे स्टेशनों पर टिकट की कीमत 10 रुपये से 50 रुपये की गई है। एक विज्ञप्ति में दक्षिण पश्चिम रेलवे ने कहा है कि प्लेटफार्म टिकटों की कीमत में अस्थायी वृद्धि की गई है। नई दर क्रांतिवीरा सांगोली रायान्ना सिटी रेलवे स्टेशन, बेंगलुरु छावनी और यशवंतपुर रेलवे स्टेशनों पर लागू होगी। 12 सितंबर से बेंगलुरु डिवीजन से सात जोड़ी ट्रेन सेवाएं शुरू की जाएंगी। यह पहले से जारी विशेष ट्रेन सेवाओं के अतिरिक्त होंगी। दक्षिण पश्चिम रेलवे का मानना है कि प्लेटफार्मों पर भीड़ रोकने के लिए आगंतुकों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाना जरूरी है।

जबलपुर में पौधों की खरीद में घोटाला, पौधारोपण सवालों के घेरे में

भोपाल, राज्य ब्यूरो। मध्य प्रदेश में नमामि देवी नर्मदे योजना के तहत जबलपुर में पौधों की खरीद में घोटाला साबित होने के बाद नर्मदा नदी किनारे हुए पौधारोपण सवालों के घेरे में आ गए हैं। योजना के लिए राज्य शासन ने करीब 550 करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत किया गया था। इसमें 42 करोड़ रुपये से पौधों की खरीदी की गई थी। इन पौधों से करीब आठ हजार हेक्टेयर में पौधारोपण होना बताया गया है। गड़बड़ी की पुष्टि होने से इस क्षेत्र में पौधारोपण संदेह के दायरे में है।

जबलपुर संभाग के संयुक्त संचालक, उद्यान मनोज मेश्राम द्वारा की गई जांच में यह भी पता चला है कि फजीर्वाड़ा करने के मकसद से ऑनलाइन खरीदी प्रक्रिया को ऑफलाइन किया गया। योजना का प्रभारी संचालनालय में पदस्थ उप संचालक राजेंद्र कुमार राजौरिया को बनाया गया था। उन्हीं के हस्ताक्षर से पूरी प्रक्रिया की गई। मामला सामने आने के बाद सामाजिक कार्यकर्ता भुवनेश्वर मिश्रा ने शुक्रवार को पूरे घोटाले की शिकायत राजधानी में आर्थिक अपराध अन्वेषण प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) को कर दी है। योजना के जो नियम बने थे, उसके तहत सबसे पहले पौधारोपण करने के इच्छुक किसानों को अपना ऑनलाइन पंजीयन कराना था। ऑनलाइन पंजीयन तभी होता जब किसानों के मोबाइल पर ओटीपी (वन टाइम पासवर्ड) आता। ऐसे में वास्तविक किसान ही पंजीयन करा सकते थे। इसी तरह पौधा खरीदी के लिए टेंडर भी ऑनलाइन किए जाने थे। खेत में पौधे लगाने के बाद किसानों को उन पौधों के साथ खड़ा करके फोटो लिए जाने थे। इसके बाद ग्रामीण उद्यान अधिकारी भौतिक सत्यापन कर इसकी रिपोर्ट जिला मुख्यालय भेजता तब जाकर पूरा भुगतान होता, लेकिन यह पूरी प्रक्रिया अपनाई ही नहीं गई। यदि नियमानुसार प्रक्रिया अपनाई जाती तो घोटाले की संभावना नहीं रहती। सारी प्रक्रिया ऑफलाइन की गई। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अपने पिछले कार्यकाल में वर्ष 2016 में नमामि देवी नर्मदे योजना की शुरूआत की थी। योजना का उद्देश्य प्रदेश में नर्मदा नदी के दोनों किनारों पर एक किमी के दायरे में पौधारोपण करना था। मुख्यमंत्री ने दावा किया था कि प्रदेश में एक साथ साढ़े सात करोड़ पौधे रोपकर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज कराया जाएगा। सामाजिक वानिकी विभाग के तत्कालीन अधिकारियों ने इसमें भी घोटाला कर दिया। सामाजिक वानिकी विभाग के संचालक पुष्कर सिंह कहते हैं कि जांच रिपोर्ट का परीक्षण करवाना शुरू कर दिया है। एक सप्ताह के भीतर परीक्षण कराकर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

भारत और चीन के बीच सैन्य स्तर की बातचीत, तनाव बरकरार

नई दिल्ली, एजेंसियां। पूर्वी लद्दाख में जारी तनाव के बीच भारत और चीन के बीच सैन्य स्तर की बातचीत भी जारी है। भारतीय सेना से जुड़े सूत्रों ने बताया कि शुक्रवार को चुशूल में भारत और चीन के बीच ब्रिगेड कमांडर स्तर की बातचीत हुई। यह बातचीत सुबह 11 बजे से अपराह्न तीन बजे तक चली। गौर करने वाली बात यह है कि दोनों देशों के बीच अब तक सैन्य स्तर की कई दौर की बातचीत हो चुकी है, लेकिन सीमा पर तनाव जस का तस बरकरार है। कल गुरुवार रात को मॉस्को में ढाई घंटे तक दोनों देशों के विदेश मंत्रियों के बीच बातचीत हुई थी। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर और चीन के विदेश मंत्री वांग यी के बीच चली बातचीत दोनों देशों की ओर से जो संयुक्त साझा बयान जारी किया है। दोनों मंत्रियों के बीच सैन्य तनाव खत्म करने के लिए पांच सूत्रीय फॉमूर्ले पर सहमति बनी है। इससे निष्कर्ष निकलता है कि अभी हर स्तर पर बातचीत का दौरा जारी रखा जाएगा।

अभी भी सीमा पर दोनों देशों के सैनिक एक-दूसरे के कुछ सौ मीटर पर मोर्चा संभाले हुए हैं। इससे साफ है कि पूर्वी लद्दाख में जारी सैन्य तनाव जल्द खत्म नहीं होने जा रहा है। यही नहीं, विदेश मंत्रियों के बीच बातचीत के बाद जिन पांच सूत्रीय एजेंडे को जारी किया गया है उस तरह का प्रपत्र पहले भी कई बार जारी कर चुके हैं। बताया जाता है कि चीन मई 2020 से पहले वाली स्थिति बहाल करने को तैयार नहीं है। वहीं, भारत का कहना है कि उसको इससे कम कुछ भी मंजूर नहीं है।

कल यानी गुरुवार को भी दोनों देशों के ब्रिगेड कमांडर एवं कमांडिग ऑफिसर स्तर की बातचीत हुई थी, जिसके किसी खास नतीजे पर पहुंचने की जानकारी नहीं है। वैसे कमांडर स्तर की बातचीत आगे भी जारी रहेगी। तनाव के बीच अभी तक दोनों सेनाओं के बीच सात दौर की लेफ्टिनेंट जनरल स्तर की या कोर कमांडर स्तर की बातचीत हो चुकी है, लेकिन इसके बावजूद विवाद बढ़ता ही गया है। इस बीच पैंगोंग झील के दक्षिणी इलाके के कई महत्वपूर्ण ऊंचे इलाकों पर भारतीय सेना ने डेरा डाल दिया है।

सुप्रीम कोर्ट का फरमान, संक्रमितों के बढ़ते आंकड़ों के बीच एंबुलेंस सेवाओं का शुल्क न बढ़ने दें राज्य सरकारें

नई दिल्ली, एएनआइ। देश में जैसे-जैसे संक्रमितों का आंकड़ा बढ़ता जा रहा है वैसे-वैसे मरीजों के लिए एंबुलेंस सेवाओं का शुल्क पर सुप्रीम कोर्ट ने चिंता प्रकट की है। कोर्ट ने एंबुलेंस सेवा का उचित शुल्क तय करने के निर्देश दिए हैं। स्वस्थ्य सेवाओं को सुचारू रखने वाली याचिका में सुनवाई करते हुए यह आदेश दिए गए हैं। इसके साथ कोर्ट ने सभी राज्यों को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा कि कोरोना वायरस रोगियों को अस्पताल ले जाने के लिए हर जिले में पर्याप्त संख्या में एंबुलेंस उपलब्ध हों। इस आदेश के साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने कोरोना महामारी से निपटने के लिए राज्यों को केंद्र द्वारा जारी की गई सलाह को मानने के आदेश दिए हैं। बता दें कि इससे पहले पहले केंद्र सरकार द्वारा राज्यों को कोविड-19 टेस्ट के लिए शुल्क तय करने के लिए कहा था हालांकि देश के प्राइवेट अस्पतालों द्वारा कोविड टेस्ट के शुल्क को एक एक बराबर नहीं किया गया है।

सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश के बाद एंबुलेंस द्वारा अपनी मनमर्जी से वसूल किए जा रहे शुल्क पर पाबंदी लग जाएगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, हाल ही में महाराष्ट्र के पुणे में एक एसा ही मामला सामने आया था, जिसमें जिला प्रशासन ने एक एंबुलेंस सेवा प्रदाता के खिलाफ केस दर्ज किया था। उन पर आरोप था कि 25 जून को एक कोविड-19 मरीज से सात किलो मीटर की दूरी के लिए एंबुलेंस ने 8 हजार रुपए वसूले किए थे। देश में कोरोना वायरस मामलों की संख्या 45 लाख के पार पहुंच गई है। कोरोना वायरस संक्रमित नए मामलों में रोजाना बढ़ोतरी हो रही है। एक दिन में कोरोना वायरस के 96,551 नए मामले सामने आए हैं। ये संख्या अब तक एक दिन में सामने आए मामलों में सबसे अधिक है।

ग्रामीण अंचल

प्रयागराज शनिवार, 12 सितम्बर, 2020

संक्षेप समाचार

दो पक्षों में जम कर चले लाठी डंडे, आधा दर्जन के खिलाफ क्रास केस दर्ज

मऊआइमा। मामूली बात को लेकर दो पक्षों में मार पीट में कई घायल हुए हैं । पुलिस ने दोनों ओर से मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम गुलकाईपुर में मामूली बात को लेकर दो पक्षों में मारा मारी हुई। दोनों ओर से कई को चोटें आयी है । एक पक्ष के छेदीलाल पुत्र हरिनाथ ने थाने में राज कुमार तथा अशोक कुमार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है । जबकि दूसरे पक्ष की ओर राज कुमार पुत्र राम खेलावन ने राहुल ,छेदी लाल ,अंकित ,रामपति के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करा दिया है । पुलिस दोनों पक्षों का मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच कर रही है ।

बाइक सवारों ने युवक को मारी गोली, छर्रे लगने से जख्मीं

नैनी। औद्योगिक क्षेत्र क्षेत्र स्थित आईटीआई कंपनी गेट के समीप गुरुवार को बाइक सवार युवकों ने एक युवक को लक्ष्य साध कर फायर झोंक दिए। गलीमत रही कि गोली के छर्रे लगने से वह जख्मीं हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके वारदात स्थल पर पहुंची और जांच पड़ताल करते हुए जख्मीं युवक को इलाज के लिए सरकारी अस्पताल भेजा।

जानकारी के मुताबिक औद्योगिक क्षेत्र स्थित महुआरी गांव निवासी प्रिंस कुमार भारतीया (25) का दो दिन पूर्व उक्त गांव के ही रहने वाले युवकों से किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। गुरुवार देर शाम को वह आईटीआई कंपनी गेट के समीप मां दुर्गा मंदिर के निकट मौजूद था। तभी बाइक पर सवार दो युवक पहुंचे और पुराने विवादों को लेकर कहासुनी करने लगे। बात आगे बढ़ी तो युवकों ने तमंचे से लक्ष्य साध कर उसके ऊपर फायर झोंक दिए। हालांकि गोली उसे नहीं लगी। जबकि छर्रे लगने से वह जख्मीं हो गया। वहीं फायर करने वाले आरोपी मौके वारदात स्थल से फरार हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटित वारदात की जांच पड़ताल की। बताया जाता है कि प्रिंस कुमार भारतीया पहले भी अपराधिक घटनाओं के चलते सलाखों के पीछे भी जा चुका है। वहीं पुलिस फायर करने वाले युवकों की खोजबीन करने में जुटी हुई है।

अराजक तत्वों का खेल छप्पर फूंक तमाशा देख

हंड़िया। हंड़िया थाना अंतर्गत ब्लाक धनूपुर गांव शंकरपुर में अराजकतत्वों द्वारा इस समय गरीबों का छप्पर फूंकने का खेल बहुत जोरों पर फल फूल रहा है। शंकरपुर में संतोष गौड़ पुत्र लूटन गौड़ जो की विकलांग भी है ?। अपने खेत में छप्पर रखकर भुजवा का काम कर के जीवन यापन करते हैं। बुधवार को रात अराजकतत्वों द्वारा संतोष गौड़ का छप्पर फूंक दिया गया। जिससे उसके सामने जीविका चलाने में कठीनायो का सामना करना पड़ रहा है। वहीं दूसरी तरफ खेला पुत्र मंगरू राम गौड़ गांव में ही छप्पर रखकर अंडे का धंधा कर के अपनी जीविका चलाते थे। कुछ अराजकतत्वों द्वारा गुरुवार को रात को उसके छप्पर को हवाले कर दिया गया है। जिससे पुरे गांव में भय का माहौल बना हुआ है। कुछ ज़िम्मेदार लोग भी अनजान बने हुए हैं। हंडिया पुलिस कुंभकर्णी नींद सो रही है।

हाईकोर्ट समाचार

यूपी के जिलों में तैनात 2012 बैच के दरोगाओं की इन्सपेक्टर बनाने की याचिका पर डीआईजी स्थापना को निर्देश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यूपी के विभिन्न जिलों में तैनात 2012 बैच के दरोगाओं की उन्हें इन्सपेक्टर पर प्रमोशन देने की मांग में दाखिल याचिका पर डीआईजी स्थापना, लखनऊ को निर्देश जारी किया है। हाईकोर्ट ने इन दरोगाओं की याचिका को निस्तारित करते हुए डीआईजी, कार्मिक स्थापना, डीजीपी मुख्यालय लखनऊ को निर्देश दिया है कि वह इन्सपेक्टर पद का ट्रेनिंग कराकर प्रोन्नति करने की याची दरोगाओं की मांग पर छह सप्ताह में निर्णय ले। कोर्ट ने अपने आदेश में यह भी स्पष्ट किया है कि यदि ये याची दरोगा, इन्सपेक्टर पद पर प्रोन्नति के लिए अर्ह पाए जाते हैं तो उन्हें उनके जूनियरों की तरह ही चार सप्ताह मे इन्सपेक्टर की ट्रेनिंग के लिए आदेश निर्गत किया जाय। यह आदेश जस्टिस प्रकाश पाडिया ने दरोगा अनुराग सिंह व 20 अन्य दरोगाओं की याचिका को निस्तारित करते हुए दिया है। ये याची दरोगा कानपुर नगर, इलाहाबाद, मथुरा, झाँसी, वाराणसी, गोरखपुर, गाजियाबाद आदि जिलों में तैनात हैं। इन्होंने संयुक्त रूप से याचिका दायर कर इन्सपेक्टर पद पर प्रोन्नति की मांग की थी। दरोगाओं की तरफ से बहस कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता विजय गौतम का कहना था कि सभी दरोगा विभागीय रैकर परीक्षा-2011 पास कर वर्ष 2012 में पुलिस विभाग में चयनित हुए। इन सभी की सेवा 7 वर्ष से अधिक की पूरी हो चुकी है और वे यूपी उपनिरीक्षक और निरीक्षक (नागरिक पुलिस) सेवा पंचम संशोधन नियमावली 2018 के नियम 5 व 17 के तहत दरोगा से इन्सपेक्टर पद पर प्रोन्नति के हकदार हैं। अधिवक्ता का कहना था कि दरोगाओ की संयुक्त वरिष्ठता सूची 11 दिसम्बर 17 को पुलिस मुख्यालय से जारी की गई थी। जिसमें 11 हजार 763 दरोगा शामिल थे। याचीगण का नाम भी वरिष्ठता सूची के मध्य में था। बाद में तीन और सूची जारी हुई, जिसमें याची दरोगाओ का नाम नहीं था। कहा गया था कि 22 जुलाई 2020 को यूपी पुलिस मुख्यालय द्वारा 330 दरोगाओ की सूची जारी कर उन्हें इन्सपेक्टर सिविल पुलिस प्रमोशन ट्रेनिंग कोर्स में भेजा गया। इस लिस्ट में याची दरोगाओ का नाम नहीं था। कहा गया था कि जिन दरोगाओ को इन्सपेक्टर ट्रेनिंग कोर्स में भेजा गया वे सभी 330 दरोगा 11 दिसम्बर 2017 को जारी वरिष्ठता सूची में याची दरोगाओ से जूनियर हैं। उन्हें अवैधानिक तरीके से नियम के विपरीत ट्रेनिंग कोर्स में भेजा गया है।

कोरोना प्रकोप के चलते 14 व 15 सितंबर को हाईकोर्ट बंद, केवल जरूरी केसों की होगी सुनवाई

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश गोविन्द माथुर ने स्टाफ में कोरोना मरीजों की बढ़ती संख्या देखते हुए 14 व 15 सितंबर को प्रयागराज स्थित हाईकोर्ट की प्रधानपीठ को बंद रखने का आदेश दिया है। इस दौरान अदालतें नहीं बैठेगी। परिसर का सेनेटाइजेशन किया जावेगा। अति आवश्यक मुकदमों की मुख्य न्यायाधीश द्वारा सुनवाई की जायेगी। इन दिनों किसी प्रकार का दाखिला चाहे वह ई फाइलिग हो अथवा शारीरिक, सभी बंद रहेगा। सोमवार व मंगलवार को न्यायिक व प्रशासनिक कार्य भी नहीं होगा। चीफ जस्टिस ने यह निर्णय इस कारण लिया क्योंकि प्रयागराज में कोरोना वायरस महामारी तेजी से बढ़ रहा है। इसके प्रकोप से अब न्यायिक प्रक्रिया से जुड़े लोग भी अछूते नहीं रहे। इस बंदी के दौरान हाईकोर्ट में साफ सफाई व सैनेटाइजेशन का काम पूरा किया जाएगा। यह जानकारी महानिबंधक अजय कुमार श्रीवास्तव ने दी है।

बीमारी से आजिज आकर अधेड़ ने की आत्महत्या

मऊआइमा। बीमारी से परेशान चल रहे अधेड ने अपने गमछे से गले में फांसी का फंदा बना कर आत्म हत्या कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार छोटेलाल 52 वर्ष पुत्र राम कृपाल ग्राम मलखानपुर हनुमानगंज प्ररयाग के मूल निवासी थे । बताया गया है कि वह मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम चौहान का पूरा निवासी बाबूलाल के यहां गद्दी पर आ कर सपरिवार काफी वर्षो से रह रहा था। बताते हैं कि छोटेलाल काफी दिनों से चल रहे थे । परिजनों के कथनानुसार वह अक्सर कहता था कि वह अब नहीं बचेगा। बताते हैं कि शुक्रवार को दोपहर में परिजन कहीं चले गए। छोटेलाल 52 वर्ष घर में चारपाई पर बैठा था। छोटेलाल अपने को अकेला पाकर अपने गमछे से अपना गला कस कर आत्म हत्या कर । परिजनों ने देखा तो वह बदहवास हो गए जब तक वह कुछ कर पाते छोटेलाल का दम निकल चुका था । सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक के चार पुत्र तीन पुत्रियां हैं। सभी का रो-रो का हाल बेहाल है।

प्रेमी संग विवाहिता हुई रफूचक्कर

लालापुर। क्षेत्र के गांव की चार बच्चों की मां एक बच्चे के पिता प्रेमी के साथ भाग निकली ।मामले की शिकायत लालापुर पुलिस से की गई है । पुलिस मामले की जांच में जुटी है । लालापुर थाना क्षेत्र के ओटघी गांव निवासिनी एक चार बच्चों की मां का पड़ोस के ही एक युवक जो एक बच्चे का पिता है से काफी दिनों से प्रेम प्रसंग चल रहा था ।कई बार दोनो आपत्ति जनक हाल में पकड़े भी गए थे ।लेकिन मामला सजातीय होने के नाते सामाजिक दबाव के चलते दबता गया ।दोनो को सामाजिक डाट फटकार भी कई बार मिली ।लेकिन दोनों का प्रेम परवान चढ़ता गया ।आखिर में दोनों अपने अपने बच्चों को छोड़ गुरुवार की रात घर से भाग निकले ।दोनो के घर वालों ने खोजबीन की लेकिन दोनों का पता नहीं चला ।तो थाने में प्रकरण की शिकायत की गई है ।अब पुलिस पड़ताल में जुटी है ।

गन्दगी के बीच जीने को विवश हैं नैनीवासी कई जगहों पर लगा गंदगी का अंबार

नैनी क्षेत्र के इलाकों में फैली गंदगी का दृश्य

नैनी। जहां एक ओर स्वच्छ भारत मिशन के तहत तमाम स्वच्छता अभियान चलाये जा रहे हैं। वहीं नैनी के कई स्थानों पर गंदगी का ढेर मौजूद है जिससे लोगों का जीना दुश्वार होता जा रहा है कई बार स्थानीय लोगों ने संबंधित विभाग के कर्मचारियों व अधिकारियों से गुहार लगाए, लेकिन अब तक कोई भी कार्रवाई न होने से लोगों में भारी रोष व्याप्त है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अवंतिका कॉलोनी, पीडीए कॉलोनी समेत कई स्थानों पर गंदगी इस कदर व्याप्त है कि उसके बदबू से लोगों को कई प्रकार की घोर समस्याओं से परेशान होना पड़ रहा है। इतना ही नहीं कीटनाशक दवाओं का छिड़काव न होने से दिन में ही मच्छरों का प्रकोप जारी है। साथ ही राहगीरों को भी कई प्रकार की दिक्कतों से गुजरना पड़ रहा है।

आवास की मजदूरी न मिलने की शिकायत

करछना। क्षेत्र के कपठुआ गाव निवासी सुमन देवी पत्नी राज किशोर वर्ष 2018ए19 मे प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास मिला था जिसका निर्माण भी हो गया लेकिन आवास निर्माण मे मनरेगा के तहत मिलने वाली 15 हजार की मजदूरी उसे आज तक नही मिली जिसकी शिकायत बीडीओ सहित उच्च अधिकारियो से करने के बाद दो बार मे 3600 रुपए खाते मे भेजे गयेएलेकिन बाकी मजदूरी अभी तक भुगतान नही किया गया जिसको लेकर लाभार्थी ने पुनः इसकी शिकायत की है।इसी तरह कई गावो मे मजदूरी का पैसा लाभार्थियो के खाते मे नही पहुचा है जिसको लेकर लाभार्थी ब्लाक का चक्कर लगा रहे है।

नई शिक्षा नीति भारतीय जनमानस के करीब : डॉ पाण्डेय

प्रयागराज। नई शिक्षा नीति भारतीय जनमानस से अधिकाधिक संख्या में संवाद स्थापित करके बनाई गई है। इसलिए इसमें आध्यात्मिकता का सुर मिलता है। मानव संसाधन नहीं है, मनुष्य साधक है, शिक्षा साध्य है, सरकार साधना है। नई शिक्षा नीति इसे सम्भव बनाती है जो जनमानस के करीब है। उक्त विचार मुख्य अतिथि अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, नई दिल्ली के सचिव डॉ. बाल मुकुन्द पाण्डेय ने बुधवार को उप्र राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के समाज विज्ञान विद्याशाखा के तत्वावधान में आयोजित नई शिक्षा नीति की प्रासंगिकता एवं विशेषताएं विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय ऑनलाइन वेबीनार में व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय चेतना के जागरण में विश्वविद्यालयों की महती भूमिका है। हमारे विद्यालय-विश्वविद्यालय सामाजिक चेतना के केन्द्र होते थे। परन्तु दुर्भाग्य से दुनिया के साथ प्रतिस्पर्धा में भारतीय शिक्षा को परिवर्तित कर दिया गया। क्योंकि व्यक्ति को विद्वान बनाने की जगह यन्त्र साधन बनाने पर जोर दिया गया।

मऊआइमा थाने के दो सिपाही आंगनवाड़ी कार्यकर्ती एएनएम पति सहित सात कोरोना पाजिटिव

मऊआइमा। मऊआइमा क्षेत्र में कोरोना अपना पांव पसार चुका है ।अब थाने के दो सिपाही एक आंगनबाड़ी कार्यकर्ती एंव एएनएम पति सहित सात कोरोना पाजिटिव पाए गए हैं । सभी को होम क्वालंटाइन कर दिया गया है ।तथा सम्पर्क में आए लोगों का भी टेस्टिंग की जा रही है । मऊआइमा क्षेत्र में कोरोना वायरल का कहर बदस्तूर जारी है। मऊआइमा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र द्वारा जांच के पश्चात इसके पहले मऊआइमा थाने के इंस्पेक्टर एंव मऊआइमा थाने का ड्राइवर संक्रमित पाए गए थे। टेस्टिंग के बाद मऊआइमा थाने में तैनात कांस्टेबल भानु प्रताप सिंह 25 वर्ष, पवन चौधरी 26 वर्ष तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में तैनात ए एन एम के पति हरिप्रसाद 42 वर्ष और आंगनवाडी कार्यकर्ती किरन देवी 32 वर्ष निवासनीय ग्राम सिसवां , ग्राम बैरहना की नीलम 32 वर्ष तथा कुलदीप 5 वर्ष ग्राम रामनगर के 30 वर्ष का एक युवक कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। लगातार कोरोना संक्रमितों के गांव गांव मिलने से स्वास्थ्य विभाग की मुसीबतें बढ गई है । हालांकि स्वास्थ्य विभाग द्वारा गांव गांव टेस्टिंग बढा दी गई है। फिलहाल पाजिटिवों को होम क्वालंटाइन कर सम्पर्क में आए लोगों की जांच के बाद उन्हें भी होम क्वालंटाइन कर दिया गया है।

विवाहिता की संदिग्ध मौत

विवाहिता की मौत के बाद जुटी भीड़

उतरांव। उतरांव थाना क्षेत्र के इनायत पट्टी गांव में संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की मौत हो गई। भाई की तहरीर पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इनायत पट्टी गांव निवासी ध्रुव कुमार जो मेहनत मजदूरी करता है ।गुरुवार शाम अचानक उसकी पत्नी पूनम पटेल की तबीयत खराब हुई जो निजी अस्पताल में दिखाया गया जहां हालत नाजुक देखते हैं डॉक्टर ने जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया ।वही जिला अस्पताल में पहुंचते ही विवाहिता की सांसे रुक गई। सूचना पर परिजनों में कोहराम मच गया। वही मृतिका पूनम पटेल की मायके से लोगों का भीड़ जमा हो गई। मृतका के भाई अरविंद को मामला संदिग्ध लगा तो उत्तराव थाने में ससुराल जनों के खिलाफ तहरीर दी। तहरीर पर उत्तराव पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पटैला थाना सराय ममरेज निवासी जियालाल की पूनम पटेल बेटी थी।जिसका विवाह 19 जून 2019 में इनायत पट्टी गांव निवासी राम बहादुर पटेल के बेटे ध्रुव से हुआ था। विवाह को 1 वर्ष ही बीते थे। वही मृतिका पूनम की मौत से परिजनों का रोरोकर बुरा हाल है।

कार ने स्कूटी में मारी टक्कर दो युवक गंभीर रूप से घायल

घूरपुर। घूरपुर थाना के सामने कार और स्कूटी की भिड़ंत हो गई। जिसमें स्कूटी सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायलों को पुलिस इलाज के लिए अस्पताल भेज कार को हिरासत में ले लिया। शहर क्षेत्र निवासी आदित्य ठाकुर (20) व आदित्य कुमार दोनों दोस्त है। शुक्रवार के दिन कौंधियारा के जारी बाजार किसी दोस्त से मिलकर वापस घर जा रहे थे। कि जैसे ही घूरपुर थाना के सामने पहुंचे की सामने से आ विपरीत दिशा की ओर जा रही कार सामने से स्कूटी में टक्कर मार दी। जिससे स्कूटी सवार दोनों दोस्त गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने दोनों घायलों को इलाज के लिए जसरा सीएचसी भेजा और कार सहित चालक को हिरासत में ले लिया।

बिजली विभाग की टीम ने कनेक्शन के लिए किया प्रेरित

जेई ने कहा किसी तरह की कोई समस्या आती है तो हमसे संपर्क कर सकते हैं

लालापुर। लालापुर क्षेत्र में बिजली विभाग के जेई आशीष कुमार, व संविदा कर्मचारी लालापुर सहित कई गाव के प्रधान व सम्मानित लोगो से मिले और कनेक्शन देने के लिए प्रेरित किये और लोगों को समझाया कि सरकार आपके ही लिए यह सब कुछ सुविधा करने के लिए कर रही है जब आप बिजली का बिल समय-समय पर जमा करे इसलिए आप लोग ज्यादा से ज्यादा कनेक्शन लेकर बिजली विभाग का सहयोग करें और चोरी से बचे आशीष जेई ने कहा किसी तरह की कोई समस्या आती है तो हमसे संपर्क कर सकते हैं या हमारे लालापुर पावर हाउस कर्मचारी से भी संपर्क कर सकते हैं। कनेक्शन देने के बाद आप के घर पर मीटर लगा दिया जाएगा । बिजली विभाग कर्मचारी, मनोज मौर्य देवीशंकर, अतुल तिवारी, ओम प्रकाश ओझा, सुल्तान, विकास आदि लोग थे।

बिजली कनेक्शन के लिए गांव गांव जाकर लोगों को प्रेरित करती बिजली विभाग की टीम

पार्टी की मजबूती के लिए कार्यकर्ताओं को एकजुट होने की जरूरत : अंजनी

शंकरगढ़। नारीबारी के सुरवल साहनी में भाजपा कार्यकताओं की एक बैठक आयोजित की गई। जिसमें पार्टी की मजबूती के लिए कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर क्षेत्रीय समस्याओं पर ध्यान देने का आह्वान किया गया।

शंकरगढ़ के नारीबारी सुरवल साहनी स्वामी विवेकानंद स्कूल में भाजपा मंडल नारीबारी की एक आवश्यक बैठक आयोजित की गई। जिसमें मंडल अध्यक्ष अंजनी लाल ने भाजपा का नारा 'सबका साथ सबका विकास' को ध्यान में रखते हुए मंडल के सभी पदाधिकारियों को एकजुट होकर मंडल को आगे बढ़ाने तथा क्षेत्र की समस्यायों पर पर ध्यान देने को कहा।साथ ही पार्टी कार्यकर्ताओं को पार्टी को मजबूत बनाने एवं मंडल को आगे बढ़ाने की रणनीति बनाई गई। बैठक में मंडल महामंत्री पंकज कुमार पाण्डेय ने मंडल पदाधिकारियों को पार्टी की तमाम गतिविधियों को बताते हुए कार्यकर्ताओं को आवश्यक जानकारी दिया। इस मौके पर मंडल उपाध्यक्ष दिवाकर तिवारी, पारसनाथ मिश्रा, ऋषि मोदनवाल, प्रदीप चतुर्वेदी, दिवाकर सिंह, पृथ्वीराज साहू, संजीव पांडे, ताराचंद्र पांडे, भारत निषाद, छेदीलाल, विजय बहादुर सिंह, विकास पांडे, संदीप तिवारी, कमल सिंह, अर्जुन गुप्ता, अशोक कुमार सिंह, सूर्यभान सिंह, आदि लोग मौजूद रहे।

कार्यकर्ताओं को संबोधित करते मण्डल अध्यक्ष अंजनी लाल

मण्डलायुक्त ने कोविड मरीजों हेतु आईसीयू बेडों की संख्या बढ़ाने के दिए निर्देश

कांटैक्ट ट्रेसिंग के कार्य में तेजी लायें, डोर-टू-डोर सर्वे करने वाली टीमों की बेहतर ढंग से की जाये मानीटरिंग : मण्डलायुक्त

प्रयागराज। मण्डलायुक्त आर0 रमेश कुमार की अध्यक्षता में शुक्रवार को कोविड-19 की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। मण्डलायुक्त ने जिले में आईसीयू, एसडीयू एवं आइशोलेशन वार्ड में बेड़ों की संख्या के बारे में जानकारी ली और उन्होंने आइसीयू बेड़ों की संख्या को और बढ़ाये जाने के लिए कहा है। प्राचार्य मेडिकल कालेज ने बताया कि बेड़ों की संख्या पर्याप्त है और जो भी टारगेट हमें मिले है, उसको एक सप्ताह के अंदर पूरा कर लिया जायेगा। मण्डलायुक्त ने कहा कि जिले में कोविड मरीजों की संख्या को कम करने की दिशा में कांटैक्ट टेजसिंग, सर्विलांश एक्टिविटी और सैनेटाइजिंग एवं साफ-सफाई बेहद जरूरी है। उन्होंने एक टीम बनाकर कांटैक्ट टेजसिंग के कार्य में गति लाने के निर्देश अधिकारियों को दिये। मण्डलायुक्त ने अस्पतालों में डॉक्टरों, स्टाफ नर्सों, वार्ड ब्वाय, स्वीपर की संख्या एवं उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों के बारे में विचार-विमर्श किया। मेडिकल विभाग के अधिकारियों ने बताया कि डॉक्टर्स की संख्या के साथ ही साथ स्वीपर, वार्ड ब्वाय की संख्या पर्याप्त है।

बैठक की अध्यक्षता करते मण्डलायुक्त

मण्डलायुक्त ने होम आइशोलेशन में रह रहे कोविड मरीजों और उनके सम्पर्क में आये लोगो की कांटैक्ट टेजसिंग के बारे में अधिकारियों से जानकारी ली और निर्देश दिये कि डोर-टू-डोर जाने वाली टीम यह सुनिश्चित करें कि जितने भी लोगो से पूछताछ तथा सैम्पलिंग की कार्यवाही होनी है, उतनी हुई है या नहीं, की मानीटरिंग के निर्देश मण्डलायुक्त ने एडीएम एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को दिये। जिलाधिकारी ने बताया कि एडीएम सिटी के अंडर में 50-50 लोगो की एक टीम गठित है, जो कांटैक्ट टेजसिंग का कार्य करने के साथ ही साथ डोर-टू-डोर सर्वे करने वाली आशा बहनों, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं लेखपालों के द्वारा किए जा रहे सर्वे कार्य की भी मानीटरिंग कर रही है। उन्होंने कहा कि टारगेटेड टेस्ट के तहत हमारी टीमें और अधिक सक्रियता से कार्य कर रही है। जिलाधिकारी ने कहा कि सैम्पलिंग कार्य की प्रगति का निरीक्षण बेहतर ढंग से करने के लिए टीमें गठित की गयी है, जो कोविड सेंटरों पर जाकर पिछले दस दिनों का डाटा, रजिस्टर की जांच करेंगी, जिससे कि सैम्पलिंग की वास्तविक स्थिति क्या है, इसकी जानकारी मिल सके। इसके अलावा जिलाधिकारी ने बताया कि जल्द ही एमएलएनआईटी के द्वारा एक ऐप का निर्माण होने जा रहा है, जिससे शहर के सभी क्लीनिंक और हॉस्पिटल जोड़ दिए जायेंगे और एक एप्स से कोविड-19 मरीजों की सैम्पलिंग, टेस्टिंग की निगरानी हो सकेगी। जिलाधिकारी ने अवगत कराया कि जो भी व्यक्ति जांच कराने हेतु आयेगा, उसे अपने दो दिन का कांटैक्ट डिटेल सम्बंधी फार्म भी भरना होगा, इससे कांटैक्ट टेजसिंग का कार्य और बेहतर हो सकेगा। मण्डलायुक्त ने नगर आयुक्त की अध्यक्षता में एक टीम गठित करने के निर्देश दिये, जो सैनेटाइजिंग और स्वच्छता के कार्य को बेहतर ढंग से निष्पादित करें। सैनेटाइजिंग और स्वच्छता के माध्यम से हम जिले में कोविड मरीजों की बढ़ती संख्या को कम करने में सफल हो सकते है। उन्होंने लोगो से अपील की कि वह स्वयं भी जागरूक बने और कोविड के संक्रमण को बढ़ने से रोकने में प्रशासन की मदद करें। उन्होंने कान्टेनमेंट जोन में लोगो की आवाजाही पर निगरानी रखने के लिए सिसिवल डिफेंस, होम गार्ड के जवानों को लगाये जाने के निर्देश एवं मानीटरिंग हेतु एरिया के पुलिस सब इंस्पेक्टर को लगाये जाने के निर्देश वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को दिये। इस अवसर पर आईजी-के0पी0 सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक-सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी, नगर आयुक्त-रवि रंजन, मुख्य विकास अधिकारी-आशीष कुमार, अपर आयुक्त, एडीएम सिटी, सिटी मजिस्ट्रेट एवं अन्य सम्बंधित अधिकारी मौजूद रहे।

चिन्मय विद्यालय प्रयागराज की प्रतिभा बनी डिप्टी कलेक्टर

प्रयागराज। शुक्रवार को घोषित पीसीएस-2018 के अन्तिम परिणाम में प्रतिभा मिश्रा का डिप्टी कलेक्टर में 21वें स्थान पर चयन हुआ। प्रतिभा एमएससी की गोल्ड मेडलिस्ट टॉपर भी रही हैं। प्रयागराज के सोरांव तहसील के अंतर्गत ग्राम सिसवॉ निवासी पं. राम लखन मिश्र की पौत्री हैं। इनके पिता सुशील कुमार मिश्र चिन्मय विद्यालय प्रयागराज के प्रधानाचार्य हैं एवं माता मन्जू मिश्रा गृहणी हैं। चार भाई-बहनों में प्रतिभा दूसरे स्थान पर है। प्रतिभा की प्रारम्भ से लेकर हाई स्कूल तक की शिक्षा चिन्मय विद्यालय प्रयागराज में हुई एवं इण्टर डीपी गर्ल्स इण्टर

प्रतिभा मिश्रा

कालेज, प्रयागराज तथा आगे की शिक्षा बीएससी (बायो) एवं एमएससी (बॉटनी) इलाहाबाद विश्वविद्यालय प्रयागराज से हुई। इनकी बड़ी बहन विभा मिश्रा, असिस्टेंट प्रोफेसर (संस्कृत) के पद पर फिरोज गांधी डिग्री कालेज, रायबरेली में कार्यरत हैं एवं छोटी बहन राधा मिश्रा इलाहाबाद विश्वविद्यालय से बॉटनी में शोध कर रही हैं तथा भाई अनूप मिश्र भी सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहा है। प्रतिभा ने अपनी सफलता का श्रेय कड़ी मेहनत एवं गुरूजनों तथा समस्त बड़ों के आशीर्वाद को दिया तथा अपनी इस सफलता को अपने नाना पं. स्वर्गीय अमरनाथ मिश्र के श्री चरणों में समर्पित किया।

करछना में 25 की कोरोना जांच महिला डॉक्टर पाजटिव

करछना। शुक्रवार को सीएचसी करछना मे 28 लोगो की कोरोना जाच की गई जिसमे अस्पताल की एक महिला डाक्टर की रिर्पोर्ट पाजटिव आई। अधीक्षक डा0 जीके तिवारी ने बताया कि लगातार पाजटिव मिल रहे लोगो के बावजूद लोग लापरवाही बरत रहे है। इसके बावजूद तहसील मे किसी भी प्रकार का एतिहात नही बरता जा रहा लोग न तो मास्क का सही इस्तेमाल कर रहे और न ही सोशल डिस्टेसिग का पालन किया जा रहा है। जमानत के लिए करछना, घूरपुर औद्योगिक और नैनी थाने से एक साथ कई लोग आते जाते है जिसमे सामाजिक दूरी की धज्जिया उडाई जा रही है। जिससे सक्रमण का खतरा बढ़ने का डर व्याप्त है।

माफिया अतीक के तीन और मकान हुए कुर्क

प्रयागराज। पुलिस उपमहानिरीक्षक/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी के निर्देश पर शुक्रवार को भू माफिया अतीक अहमद के तीन और माकान कुर्क किए गए। इस दौरान पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी भारी पुलिस बल के साथ उपस्थित थे।

पूर्व सांसद अतीक अहमद के खुल्दाबाद थाना क्षेत्र में तीन स्थित है। अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत शुक्रवार को सिविल लाइंस क्षेत्राधिकारी के नेतृत्व में पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और सदृश्य भाग पर नोटिस चस्पा की गई। इसके साथ ही जब्ती करण की कार्रवाई की गई।

माफिया अतीक का मकान ढहाता जेसीबी व मौजूद प्रशासन

गौरतलब है कि वर्तमान में भूमाफिया अतीक अहमद गुजरात के अहमदाबाद जेल में बंद हैं। योगी आदित्यनाथ की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत अतीक एवं उसके सहयोगियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई जारी है।

पूर्व ब्लाक प्रमुख के संपत्ति पर दूसरे दिन भी जारी रही कार्रवाई

नैनी। औद्योगिक क्षेत्र स्थित लवायन कला गांव निवासी एवं पूर्व ब्लाक प्रमुख दिलीप मिश्रा के संपत्ति पर शुक्रवार यानी दूसरे दिन भी जिला प्रशासन की ओर से कुर्क व सील की के कार्रवाई की गई। इस दौरान गठित टीम ने उनकी समस्त संपत्तियों का ब्यौरा जुटाते हुए। कुर्क एवं सील कर दिए। इस दौरान किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए भारी तादाद में पुलिस फोर्स मौजूद रही। बता दें कि औद्योगिक क्षेत्र के लवायन कला गांव निवासी दिलीप मिश्रा जो विकासखंड चाका के पूर्व ब्लाक प्रमुख रह चुके हैं। जबकि उनकी पत्नी वर्तमान में अर्चना मिश्रा सदस्य जिला पंचायत हैं।गघगगघ बीते कई दिन पूर्व पुलिस ने उनके कॉलेज परिसर से एक शातिर अपराधी को गिरफ्तार करते हुए पूर्व ब्लाक प्रमुख दिलीप मिश्रा व उनके पुत्र को भी गिरफ्तार कर चालान कर दिए थे। बीते कुछ दिन पूर्व जिलाधिकारी पूर्व ब्लाक प्रमुख की संपत्ति को सील करने का आदेश दिया गया था।

संपत्ति सीज करती पुलिस

सजायाफ्ता कैदी की मौत

प्रयागराज। केन्द्रीय कारागार नैनी के सजायाफ्ता कैदी की उपचार के स्वरूपरानी नेहरू चिकित्सालय में शुक्रवार की भोर में मौत हो गई। सूचना पर नैनी कोतवाली पुलिस ने शव का पंचनामा करके विधिक कार्रवाई की। करेली थाना क्षेत्र के आदमपुर मदारीपुर गांव निवासी दरियाव सिंह (50) पुत्र ननकू लाल के तीन बेटे और पांच बेटियां एवं पत्नी सुनीता घर रहते है। करेली क्षेत्र में वर्ष 1996 में हुई राम चन्द्र निषाद की हत्या और उसके भाई बृजलाल घायल हुआ था। उक्त हत्या के आरोप में ननकू लाल, बल्लन और थरियांव सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार करके जेल भेजा था। न्यायालय ने उक्त तीनों आरोपितों को 24 दिसम्बर 2012 को उम्रकैद की सजा सुनाया। सजा काटने के दौरान बल्लन और ननकू लाल की पहले मौत हो चुकी है। दरियांव सिंह अकेले बचा हुआ था। बताया जा रहा है कि गुरुवार को अचानक जेल में दरियांव की तबीयत खराब हुई तो उपचार के लिए स्वरूपरानी नेहरू चिकित्सालय में बन्दी रक्षको ने भर्ती कराया। जहां उपचार के दौरान शुक्रवार की भोर में मौत हो गई।

सांसद हेमा मालिनी ने मथुरा जंक्शन पर लिफ्ट व एस्केलेटर का उद्घाटन किया

प्रयागराज। संसद सदस्य मथुरा श्रीमती हेमा मालिनी ने शुक्रवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मथुरा जंक्शन के दूसरे प्रवेश द्वार पर नवस्थापित एक लिफ्ट और प्लेटफार्म एक पर एस्केलेटर का उद्घाटन किया।

मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी अजीत कुमार सिंह ने बताया कि अब तक तीन यात्री लिफ्ट और एक एस्केलेटर की स्थापना की जा चुकी है तथा वर्तमान वित्त वर्ष में 11 लिफ्ट और सात एस्केलेटर स्थापित करने के लिए लक्षित हैं। अगस्त 20 में फाफुद स्टेशन पर कोच डिस्प्ले बोर्ड लगाने के साथ, उत्तर मध्य रेलवे के 27 स्टेशनों पर अब यह सुविधा उपलब्ध हैं। चालू वित्त वर्ष के दौरान चार स्टेशनों पर सीसीटीवी की सुविधा प्रदान की गई है और कानपुर सेंट्रल, आगरा फोर्ट में नए सीसीटीवी कंट्रोल रूम बनाए गए हैं। तीन और स्टेशनों पर अगस्त 20 में वाई-फाई की सुविधा उपलब्ध कराने के साथ ही उत्तर मध्य रेलवे में मुफ्त और तेज इंटरनेट सेवा वाले स्टेशनों की संख्या 225 हो गई। उत्तर मध्य रेलवे के 26 महत्वपूर्ण स्टेशनों के ट्रेन इंडीकेशन बोर्डों को एनटीईएस के साथ जोड़ा गया है। इसमें प्रयागराज मण्डल के 17 स्टेशन प्रयागराज जंक्शन, मानिकपुर, कानपुर सेंट्रल, खुर्जा, फतेहपुर, भरवारी, मिजार्पुर, विंध्याचल, फिरोजाबाद, अलीगढ़, नैनी, सिराथू, सूबेदारगंज, फाफुद, इटावा, प्रयागराज छिवकी और चुनार हैं। झांसी मण्डल के चार स्टेशन ललितपुर, महोबा, खजुराहो और डबरा एवं आगरा मंडल के पांच स्टेशन आगरा कैंट, आगरा किला, मथुरा जंक्शन, राजा की मंडी, धौलपुर शामिल हैं।

उन्होंने बताया कि उत्तर मध्य रेलवे के अलग-अलग स्टेशनों से पहले ही 126 विशेष ट्रेनों के संचालन के अतिरिक्त 12 सितम्बर से 36 और विशेष ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। जिसमें उत्तर मध्य रेलवे से ओरिजिनेट होने वाली छह जोड़ी विशेष ट्रेनें भी शामिल हैं।

कोविड 19 का समाजशास्त्रीय प्रभाव पर हुई चर्चा

प्रयागराज। आर्य कन्या पी.जी कॉलेज, प्रयागराज में शुक्रवार को समाजशास्त्र विभाग के तत्वाधान में कोविड-19 महामारी का समाजशास्त्रीय प्रभाव विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान के अतिथि वक्ता इलाहाबाद विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. आशीष सक्सेना ने कोविड-19 महामारी के समाजशास्त्रीय प्रभावों को बताया। उन्होने कोविड से बचाव हेतु मास्क के उपाय के विषय में चर्चा की। धार्मिक अनुष्ठानों में होने वाली कमी, सामाजिक दूरी के कारण अछूतता जैसी भावना, बच्चों की आबोहवा में परिवर्तन, आईसीटी के दुरूप्रयोग से समाज पर पड़ने वाले प्रभाव, भूमण्डलीकरण के कारण प्रभावित होने वाले वंचित समाज की चर्चा की। डार्विन और हेबरमास जैसे समाजशास्त्रियों के सिद्धान्तों के आज के परिप्रेक्ष्य में प्रासंगिकता की भी चर्चा की। महाविद्यालय शासी निकाय के अध्यक्ष पंकज जायसवाल ने कहा कि समाज को इस महामारी से बहुत ही ज्यादा नुकसान हो रहा है। सरकारी एवं गैर-सरकारी उपायों के अलावा हमें स्वयं सावधान रहना चाहिए। इससे बचने का यही सबसे उपयुक्त साधन है। तत्पश्चात महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. रमा सिंह ने कोविड-19 महामारी के कारण होने वाले प्रभावों और विषय के सन्दर्भ में प्रकाश डालते हुए अतिथि वक्ता का स्वागत किया।

फांसी लगाकर युवती ने की आत्महत्या

प्रयागराज। मेजा थाना क्षेत्र के कोटहा गांव में शुक्रवार की सुबह एक युवती ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की। मेजा के कोटहा गांव निवासी रुवीना बानो (22) पुत्री सुल्तान अहमद चार बहन और तीन भाइयों में तीसरे नम्बर की थी। बताया जा रहा है कि कतिपय कारणों से क्षुब्ध होकर कमरे के अन्दर फांसी लगाकर जान दे दी। घटना की जानकारी होते ही परिवार के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की।

अखण्ड भारत संदेश के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम कियायोग आश्रम एवं अनुसंधान सस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक

स्वामी श्री योगी सत्यम

पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा। आरएनआई नं0: UPHIN2001/9025

पीसीएस 2018 का परिणाम घोषित

प्रयागराज। सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा परीक्षा 2018 परिणाम शुक्रवार को घोषित कर दिया गया है। परीक्षा परिणाम आयोग के सूचना पट्ट पर तथा वेबसाइट पर भी उपलब्ध है।

आयोग के सचिव जगदीश के अनुसार सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा परीक्षा 2018 की लिखित परीक्षा का परिणाम 23 जून 2020 को घोषित किया गया था। परीक्षा परिणाम के आधार पर साक्षात्कार हेतु 2669 अभ्यर्थी सफल घोषित हुए थे। जिनका साक्षात्कार आयोग द्वारा 15 जुलाई से 25 अगस्त 2020 तक किया गया था। इसमें 68 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। उन्होंने बताया है कि परीक्षा में सम्मिलित कुल 42 प्रकार के पदों हेतु उपलब्ध 988 रिक्तियों के सापेक्ष 976 अभ्यर्थियों को अंतिम रूप से सफल घोषित किया गया है तथा सूचना अधिकारी की 12 रिक्तियां सुयोग्य अभ्यर्थी उपलब्ध न होने के कारण अनभरी रह गयी है। जिन्हें अग्रेनीत किया गया है।

सचिव ने बताया है कि परीक्षा के आधार पर अंतिम रूप से सफल घोषित जिन अभ्यर्थियों के सम्मुख प्रोविजनल अंकित है, वे निर्धारित समय पर वांछित अभिलेख अवश्य प्रस्तुत कर दें। अन्यथा उनका चयन निरस्त कर दिया जायेगा। चयन परिणाम उप्र राज्य सरकार द्वारा उच्च न्यायालय में योजित विशेष अपील 475/2019 में न्यायालय द्वारा पारित होने वाले अंतिम निर्णय के अधीन रहेगा। इसके अतिरिक्त उच्च न्यायालय में याचिका 6939/2020 प्रशान्त सिंह बनाम उप्र राज्य व एक अन्य में भी पारित होने वाले अंतिम निर्णय के अधीन रहेगा।

अभाविप के पूर्व संगठन मंत्री व वरिष्ठ अधिवक्ता नरेन्द्र देव की मौत, शोक की लहर

प्रयागराज। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के पूर्व संगठन मंत्री, आरएसएस के स्वयंसेवक व हाईकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता नरेंद्र देव राय की कोरोना से असमय मौत हो गई। उनके निधन से संघ परिवार एवं अधिवक्ताओं के बीच शोक की लहर है। मूलतः आजमगढ़ के जौलहापुर गांव निवासी नरेंद्र देव राय का आवास प्रयागराज जॉर्ज टाउन स्थित संघ कार्यालय के सामने है। श्री राय कोरोना पॉजिटिव होने पर स्वरूपरानी अस्पताल में भर्ती थे। उन्हें आईसीयू में रखा गया था। जहां बीती रात उन्होंने दम तोड़ दिया। श्री राय जुझारू होने के कारण डेढ़ दशक से विद्यार्थी परिषद के संगठन मंत्री रहे। इसके बाद वह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े। वह नारकोटिक्स एवं ड्रग्स के अधिवक्ता तथा शासकीय अधिवक्ता प्रथम भी रहे। श्री राय अपने पीछे पत्नी, दो पुत्र व एक पुत्री से भरा पूरा परिवार छोड़ गये। जिला प्रचारक प्रेम सागर का कहना है कि वह हमेशा युवाओं में जोश भरते थे। उनसे सदैव मार्गदर्शन मिला। संघ कार्यालय पर उनकी कमी सदैव खलेगी।

रानी रेवती देवी के प्रधानाचार्य समेत सात शिक्षक हुए सम्मानित

प्रयागराज। रानी रेवती देवी सरस्वती विद्या निकेतन इंटर कॉलेज, राजापुर, प्रयागराज के सात शिक्षकों को बैंक ऑफ बड़ौदा राजापुर शाखा द्वारा शुक्रवार को शिक्षक सम्मान से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर बैंक प्रबंधक ए.एन सिंह ने कहा कि यह सम्मान शिक्षक दिवस के अवसर पर ही दिया जाना था, लेकिन कुछ कारणवश यह सम्मान आज प्रदान कर रहा हूं। यह सम्मान प्रदान करते हुए मुझे भी सम्मानित होने का अनुभव महसूस हो रहा है। विद्यालय के प्रधानाचार्य बांके बिहारी पांडेय ने कहा कि किसी भी सम्मान से जिम्मेदारियां और बढ़ जाती हैं तथा आगे और अच्छा करने की प्रेरणा मिलती है। संगीताचार्य एवं मीडिया प्रभारी मनोज गुप्ता के अनुसार विद्यालय के प्रधानाचार्य बांके बिहारी पांडेय सहित विद्यालय के सात शिक्षकों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर बैंक के प्रबंधक ए.एन सिंह ने प्रधानाचार्य बांके बिहारी पांडेय,

सम्मानित शिक्षकगण

विनय कुमार यादव, प्रेम सागर मिश्र, प्रवीण कुमार तिवारी, अनूप कुमार, कुंदन कुमार सिंह एवं रामचंद्र मौर्य को अंगवस्त्रम, माला एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस मौके पर रमेश चंद्र मिश्रा, जटाशंकर तिवारी, शिव नारायण सिंह, कामाख्या प्रसाद दुबे, आनंद कुमार सिंह, अशोक कुमार मौर्य, दिनेश कुमार शुक्ला, सत्य प्रकाश पांडे, अवधेश कुमार गुप्ता, वकील प्रसाद, वाचस्पति चैबे, सुनील कुमार गुप्ता, शशि कपूर गुप्ता, प्रभात कुमार शर्मा, दीपक दयाल, रमेश चंद्र अग्रहरी, मान सिंह यादव, सत्य प्रकाश पांडे द्वितीय, अनूप सिंह, वंशराज सिंह, विमल चंद दुबे, विभु श्रीवास्तव, अजय सिंह चंदेल एवं सचिन सिंह परिहार सहित समस्त अध्यापक अध्यापिकाएं उपस्थित रहे।

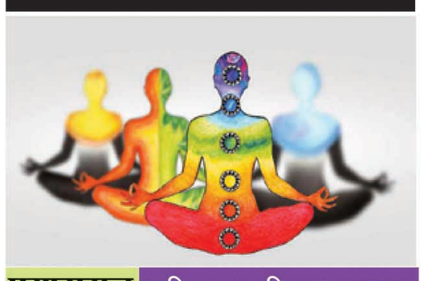

प्रयागराज शनिवार, 12 सितम्बर, 2020

क्रियायोग सन्देश

भौतिक, सूक्ष्म और कारण जगत से परे होना माया से मुक्त होना

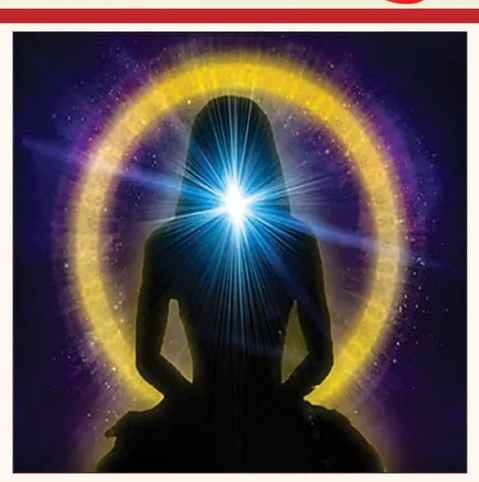

मनुष्य की तीन प्रकार की शरीर है, जिसे भौतिक, सूक्ष्म तथा कारण शरीर कहते हैं। और इसी प्रकार ब्रह्मांड का तीन स्वरूप है, भौतिक जगत, सूक्ष्म जगत तथा कारण जगत । मनुष्य भौतिक शरीर से भौतिक जगत, सूक्ष्म शरीर से सूक्ष्म जगत तथा कारण शरीर से कारण जगत की अनुभूति करता है। क्रियायोग साधना के द्वारा साधक भौतिक शरीर में ध्यान बढ़ाकर भौतिक जगत का ज्ञान प्राप्त कर लेता है। तत्पश्चात वह सूक्ष्म शरीर में प्रवेश करके सूक्ष्म जगत और फिर कारण शरीर में प्रवेश करके कारण जगत का ज्ञान प्राप्त कर लेता है। भौतिक जगत का ज्ञान प्राप्त होने पर साधक के अंदर शिव शक्ति, सूक्ष्म जगत का ज्ञान प्राप्त होने पर ब्रह्मा की शक्ति तथा कारण जगत का ज्ञान प्राप्त होने पर विष्णु शक्ति की अनुभूति होती है। भौतिक सूक्ष्म व कारण जगत माया की प्रचंड शक्ति है। क्रियायोग साधना के द्वारा भौतिक, सूक्ष्म व कारण शरीर में प्रवेश करके साधक माया के इन तीन अवर्णों से ऊपर उठ जाता है, जिससे वह सत्य का साक्षात्कार कर लेता है। सामान्य जीवन क्रम को जीते हुए भौतिक, सूक्ष्म व कारण जगत के संपूर्ण रहस्यों को आविस्कृत करने में लाखों वर्ष लग जाते हैं। मनुष्य अनेक जन्मों तक भौतिक, सूक्ष्म व कारण जगत की माया में घूमता रहता है। क्रियायोग साधना के द्वारा साधक एक ही जीवन काल में अपनी साधना के अनुरूप मात्र कुछ वर्षों 6,12,24,36,48... में पूर्ण ज्ञान की प्राप्ति कर वह अपने व परमात्मा् के बीच दूरी की शून्यता का अनुभव कर लेता है। ऐसी अवस्था में साधक माया के परे होता है और परम-धरम मुझसे एकाकार कर लेता है।

GOING BEYOND PHYSICAL, ASTRAL AND CAUSAL UNIVERSES IS TO BE LIBERATED FROM MAYA

Human beings have three forms of body- physical, astral, and causal which complete one's existence, in the same way there are three universes , which are physical, astral and causal. We perceive the physical universe through physical body, astral universe through astral body and causal universe through causal body.

A Kriyayoga practitioner places concentration on the physical body to attain knowledge about the physical universe. After that, the practitioner concentrates on the astral body to receive knowledge about the astral universe and then through the causal body, receives knowledge about the causal universe.

When knowledge about the physical universe is attained, we are empowered with the power of Shiva. Attaining knowledge about the astral universe brings upon us the power of Brahma. When knowledge of the causal universe is attained, then we perceive the power of Vishnu. The three universes of physical, astral and causal are the manifested powers of illusion (Maya).

When a Kriyayoga practitioner rises above the three forms of body (physical, astral and causal) through Kriyayoga meditation, then the practitioner experiences Truth. In normal living, it takes many millions of years to comprehend all the mysteries of the three forms of body. One can be caught in the currents of Maya of the physical, astral and causal universes life-after-life. With Kriyayoga meditation, a practitioner can, however, be fully awakened with complete knowledge of Self and God in just a few years, ranging from 6, 12, 24, 36 to 48 years or more. The stage is reached where there will no longer be any veil between self and God, and one goes beyond the effect of Maya. Self-realization blossoms into God-realization.